No. of Printed Pages : 3

1108

एम.एच.डी.–01

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

एम.एच.डी.–01 : हिन्दी काव्य–1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***कुल चार*** *प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से* ***किन्हीं तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **10x2=20**

(क) अवधू मेरा मन मतिवारा।
उन्मुनि चढ़ा गगन–रस पीवै, त्रिभुवन भया उजियारा।
गुड़ करि ज्ञान ध्यान करि महुवा, भव–भाठी करि भारा।
सुष्मन–नारी सहज समानीं, पीवै पीवनहारा।
दोई पुड़ जोड़ि चिगाई, भाठी चुआ महारस भारी
काम–क्रोध–दुइ किया पलीता, छूटि गई संसारी।
सुनि मंडल में मँदला बाजै, तहँ मेरा मन नाचै।
गुरु प्रसाद अमृत फल पाया, सहजि सुष्मनां काछै।
पूरा मिल्या तबै सुख उपज्यो तप की तपनि बुझानी
कहै कबीर भवबंधन छूटै, जोतिहि जोति समानी।

(ख) कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है।
कहै पद्माकर परागन में पौनहू में,
पातन में पिक में पलासन पगंत है।
द्वारे में दिसान में दुनी में देस देसन में,
देखौ दीपदीपन में दीपत दिगंत है।
बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में,
बनन में बागन में बगरयो बसंत है।।

(ग) हमारे प्रभु औगुण चित न धरौ।
समदरसी है नाम तुम्हारौ सोई पार करौ।
इक लोहा पूजा मैं राखत इक घर बधिक परौ।
सो दुविधा पारस नहिं जानत कंचन करत खरौ।।
इक नदिया इक नार कहावत मैलौ नीर भरौ।
जब मिलि गए तब एक बरन है गंगा नाम परौ।।
तन माया ज्यौं ब्रह्म कहावत सूर सु मिलि बिगरौ।
कै इनकौ निराधार कीजियै कै प्रन जात टरौ।।15।।

(घ) हेरी म्हा दरद दिवाणां म्हारां दरद न जाण्याँ कोय।।
घायल री गत घायल जाण्याँ, हिबड़ी अगण सँजोय।
जौहर की गत जौहर जाण्याँ, क्या जाण्याँ जिण खोय।
दरद की मारयाँ दर दर डोल्याँ बैद मिल्या णा कोय।
मीरा री प्रभु पीर मिटाँगा जब वैद साँवरो होय।।

2. पृथ्वीराज रासो की विषय वस्तु का विवेचन कीजिए। 10

3. गीति काव्य के रूप में विद्यापति पदावली की मुख्य विशेषताएँ क्या है? 10

4. "कबीर के काव्य में व्यंग्य का अपूर्व सामर्थ्य है।" सोदाहरण विचार करें। 10

5. सूरदास के प्रकृति वर्णन की विशेषताएँ बताइए। 10

6. भक्ति–काव्य में मीरा का महत्त्व क्या है? विचार कीजिए। 10

7. तुलसी के काव्य में मौजूद तत्कालीन समाज के स्वरूप का विवेचन कीजिए। 10

8. रीतिकाल में धनानंद का महत्त्व क्या है? विचार करें। 10

—— *** ——